N (Printed Pages 7)

(20317) Roll No..................

B.A.-I Year (Private)

PUS-4888

B.A. (Annual) Private Examination, 2017

(For Private Students Only)

HINDI -I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

(A-113)

(Unified Syllabus)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 50*

नोट : इस प्रश्न-पत्र को **पाँच** खण्डों-अ, ब, स, द तथा इ में विभाजित किया गया है। खण्ड-अ **(लघु उत्तरीय प्रश्न)** में एक **लघु उत्तरीय प्रश्न** है, जिसके **दस** भाग हैं। ये **सभी दस** भाग **अनिवार्य** हैं। खण्डों-ब, स, द तथा इ **(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)** है। प्रत्येक को निर्देशानुसार करना है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

खण्ड - अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' **(लघु उत्तरीय प्रश्न)** में एक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिसके **दस** भाग हैं। ये **सभी** दस भाग **अनिवार्य** हैं। प्रत्येक भाग **दो** अंकों का है।

1. **सभी** प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: 2×10=20

   (i) चन्दबरदाई का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

   (ii) सरहपा किस काल के कवि थे? उनकी रचना का नाम लिखिए।

   (iii) मीराबाई का जन्म कहाँ हुआ? उनके गुरू का नाम बताइये।

   (iv) अमीर खुसरो के गुरू कौन थे? उनका गुरू के प्रति कैसा भाव था?

   (v) 'संतो भाई आई ग्यान की आंधी' से कबीर का क्या तात्पर्य है?

   (vi) 'संतत भक्त मीत हितकारी' की पुष्टि के लिए सूर ने कौन-कौन सी पौराणिक कथाओं का उल्लेख किया है?

(vii) वन जाते समय राम ने अयोध्या और उसके निवासियों को कैसे त्याग दिया?

(viii) बिहारी किस काल के कवि थे? उन्होंने किस भाषा में अपना काव्य लिखा?

(ix) बादल का 'परजन्य' नाम किस प्रकार सार्थक है?

(x) कवि भूषण के मुख्य आश्रयदाताओं के नाम लिखिए।

खण्ड - ब, स, द एवं इ

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी खण्डों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

खण्ड - ब

2. निम्नलिखित पद्यांशों से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिएः $4 \times 2 = 8$

(i) राम रसांइण प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल।
कबीर पीवण दुलभ है, माँगे सीस कलाल।।
कबीर भाठी कलाल की, बहुतक बैठे आइ।
सिर सौंपै सोई पिबै, नहीं तो पिया न जाइ।।

(ii) लागी केलि करै मझ नीरा। हंस लजाइ बैठ ओहि तीरा।।
पदमावति कौतुक कहँ राखी। तुम ससि होहु तराइन्ह साखी।।
बाद मेलि कै खेल पसारा। हार देइ जो खेलत हारा।।
सँवरिहि साँवरि, गोरिहि गोरी, आपनि आपनि लीन्ह सौ जोरी ।।
बूझि खेल खेलहु एक साथा। हार ना होइ पराए हाथा।।
आजुहिं खेल बहुरि कित होई। खेल गए कित खेलै कोई?।।
धनि सो खेल खेल सह पेमा। रउताई औ कूसल खेमा?।।
मुहमद बाजी पेम के, ज्यों भावै त्यौं खेल।
तिल फूलहि के सँग ज्यों, होइ फुलायल तेल।।

(iii) रावरे दोष न पायँन को, पग धूरि को भूरि प्रभाउ महा है।
पाहन तें बन-बाहन काठ को कोमल है, जल खाइ रहा है।।
पावन पायँ पखारि कै नाव चढ़ाइहौं, आयसु होत कहा है?
'तुलसी' सुनि केवट के बर बैन हँसे प्रभु जानकी ओर हहा है।।

खण्ड - स

3. निम्नलिखित पद्यांशों से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिएः $4 \times 2 = 8$

(i) मोहनि मूरति स्याम की, अति अद्‌भुत गति जोइ।
बसतु सु चित-अंतर, तऊ प्रतिबिंबित जग होइ।।
तजि तीरथ, हरि-राधिका-तन-दुति करि अनुरागु।
जिहिं ब्रज-केलि-निकुंज-मग, पग पग होत प्रयागु।।

(ii) हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही कों लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।।
प्रीति की रीति सु क्यौं समझै जड़, मीत के पानि परे कों प्रमानै।
या मन की जु दसा घनआनँद जीवन की जीवनि जान ही जानै।।

(iii) ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहन बारी,
ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती हैं।
कंद मूल भोग करैं कंद मूल भोग करैं,
तीनि बेर खातीं ते वै तीनि बेर खाती हैं।
भूषन सिथिल अंग, भूषन सिथिल अंग,
बिजन डुलातीं ते वै बिजन डुलाती हैं।
भूषन भनत सिवराज बीर तेरे त्रास,
नगन जड़ाती ते वै नगन जड़ाती हैं।

खण्ड - द

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का विस्तार से उत्तर दीजिएः $7 \times 1 = 7$

(i) कबीर और जायसी के रहस्यवाद की तुलना कीजिए।

(ii) "तुलसी का अनुभूति पक्ष जितना व्यापक, गम्भीर और मर्मस्पर्शी है, अभिव्यक्ति पक्ष उतना ही पुष्ट और प्रौढ़ है।" इस कथन के आलोक में तुलसी के कला-पक्ष का मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड - इ

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का विस्तार से उत्तर दीजिएः $7 \times 1 = 7$

(i) "घनानन्द प्रेम की पीर के अमर गायक हैं।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ii) "वीर रस की जैसी सर्वांगपूर्ण अभिव्यक्ति भूषण के काव्य में दृष्टिगोचर होती है, वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।" सिद्ध कीजिए।